राजा भोज विमानतल, भोपाल पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) का 30वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भाविप्रा कर्मचारियों एवं CISF भोपाल द्वारा केक काटा गया। कमांडेंट,CISF, भोपाल ने AAI परिवार को शुभकामनाएँ दीं और उनके योगदान की सराहना की। विमानपत्तन निदेशक, श्री रामजी अवस्थी ने सभी कार्मिकों के समक्ष अध्यक्ष, भाविप्रा का संदेश पढ़ा व सभी कर्मचारियों और विमानन क्षेत्र के हितधारकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने सभी को मेहनत और समर्पण के साथ भारतीय विमानन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित किया।

राजा भोज हवाईअड्डा, भोपाल
Raja Bhoj Airport, Bhopal

CISF
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
राजा भोज एयरपोर्ट, भोपाल

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
राजा भोज एयरपोर्ट भोपाल
पर आप सभी का स्वागत है
दिनांक 01/04/2025
AAI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

30वें वार्षिक दिवस
पर अध्यक्ष का संदेश

प्रिय साथियों,

भाविप्रा के 30वें वार्षिक दिवस के अवसर पर बधाई! यह दिन हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और मैं आप को इस संगठन के अभिन्न सदस्य होने के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ जो तीस से अधिक वर्षों से भारतीय विमानन क्षेत्र के भविष्य का मार्गदर्शन कर रहा है और भारत की प्रगति में योगदान दे रहा है।

भारत के नागर विमानन क्षेत्र का तीव्र गति से विकास हो रहा है तथा यात्री यातायात में वृद्धि, अवसंरचना का विकास, भारत को विश्व के तीसरे सबसे बड़े घरेलू विमानन बाजार के रूप में स्थापित करने तथा इस विकास को गति देने वाली सरकारी पहल के साथ यह आर्थिक विस्तार का महत्वपूर्ण प्रेरक बन रहा है।

नागर विमानन पर द्वितीय एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछले दशक में भारत में विमानन के क्षेत्र में हुए सकारात्मक परिवर्तनों के बारे में बात की और कहा कि भारतीय विमानन विशिष्ट से समावेशी बन गया है। नागर विमानन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के द्वारा नागरिकों, संस्कृति और समृद्धि को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उनके वक्तव्य के अनुसार, भारत में सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2024 में 159 हो गई है और 2047 तक 350-400 तक पहुंचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। यहां यह भी उल्लेख करना उचित होगा कि 2024 में माननीय प्रधानमंत्री ने भारत के विभिन्न राज्यों में ₹18,428 करोड़ की लागत से 26 हवाई अड्डा परियोजनाओं का शुभारंभ किया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) देश के नागर विमानन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर मैं भाविप्रा परिवार के सभी लोगों को 2023-2024 में ₹5400 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक पूंजीगत व्यय और ₹6214 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक कर-पूर्व लाभ दर्ज करने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। इसके अलावा भाविप्रा ने वित्त वर्ष 2024-25 से वित्त वर्ष 2028-29 की अवधि के लिए ₹25,000 करोड़ की पूंजीगत व्यय योजना की रूपरेखा तैयार की है जिससे भविष्य की संभावित मांग को पूरा करने में भारत की विमानन अवसंरचना को मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा सुरक्षित और दक्ष हवाई यात्रा के लिए अपने सतत अनुसंधान में भाविप्रा पर्याप्त निवेश के माध्यम से वायु यातायात प्रबंधन प्रणाली को उन्नत करने के लिए समर्पित है और पूरे देश में एटीएस टॉवर और तकनीकी इमारतों के लिए नौ परियोजनाएं प्रारम्भ की गई हैं। वर्तमान में भाविप्रा के 15 हवाई अड्डों पर डिजीयात्रा प्रचलन में है और शीघ्र ही 12 और हवाई अड्डों पर लागू होने की उम्मीद है जो हवाई यात्रा में डिजिटल नवाचार की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। इसके अलावा देश के भीतर एफटीओ और एमआरओ की स्थापना की सुविधा के लिए भाविप्रा द्वारा की गई पहल भी सराहनीय है।

जैसा कि आप जानते हैं भाविप्रा ने अपनी पहल 'सुगम' के माध्यम से भारत की संधारणीयता की कहानी में एक नया अध्याय लिखने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। आज देश भर में 75 हवाई अड्डे विशेष रूप से 100% हरित ऊर्जा से प्रचालित हो रहे हैं। यह पर्यावरण हितैषी भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

भाविप्रा समावेशिता का पक्षधर रहा है। कोलकाता और चेन्नई हवाई अड्डों पर हाल ही में शुरू किया गया 'उड़ान यात्री कैफे' यात्रियों को किफायती भोजन का विकल्प प्रदान करता है और जल्द ही इसे और अधिक हवाई अड्डों पर शुरू किए जाने की उम्मीद है। भाविप्रा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने और युवाओं को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य से संगठन ने भविष्य के लिए अपनी तैयारी सुनिश्चित करने के लिए विविध क्षेत्रों से 1100 से अधिक कुशल पेशेवरों की सफलतापूर्वक भर्ती की है।

हमारा मार्ग श्रेष्ठता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से परिपूर्ण है जिसमें हासिल किया गया प्रत्येक लक्ष्य और अधिक आशाजनक भविष्य के लिए नींव के रूप में कार्य करता है। आइए हम अपने देश में नागर विमानन का आधारस्तम्भ बनकर विश्व में जो परिवर्तन देखना चाहते हैं उसे साकार करें। आपके दृढ़ विश्वास और समर्थन के लिए मैं, भाविप्रा के 30वें वार्षिक दिवस के अवसर पर भाविप्रा के सभी कार्मिकों और उनके परिजनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं और बधाई देता हूँ।

जय हिन्द!

विपिन कुमार

विपिन कुमार
अध्यक्ष, भा.वि.प्रा.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

CHAIRMAN's MESSAGE ON
30th ANNUAL DAY

Dear Colleagues,

Greetings on the occasion of the 30th AAI Annual Day! This day holds significant importance for all of us, and I extend my heartfelt congratulations to each of you for being integral members of a collective that has been guiding the future of Indian aviation and contributing to the rise of India for more than thirty years.

India's civil aviation sector is experiencing rapid growth, becoming a significant engine for economic expansion, with increased passenger traffic, infrastructure development, establishing India as the third-largest domestic aviation market in the world and government initiatives driving this surge.

During the 2nd Asia Pacific Ministerial Conference on Civil Aviation, our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi spoke about the transformation in the aviation sector in India in the past decade and said from being aviation exclusive, India has become aviation inclusive. Highlighting the crucial role of the civil aviation sector, he said focus is on connecting people, culture and prosperity through the sector. True to his remarks, the number of active airports in India has increased significantly from 74 in 2014 to 159 in 2024, with an ambitious goal to reach 350-400 airports by 2047. It is only apt to add here that in 2024, the Hon'ble Prime Minister has launched 26 airport projects amounting to ₹18,428 crores across various Indian states. The Airports Authority of India (AAI) is instrumental in realizing the vision of 'Viksit Bharat @2047' aimed at enhancing the country's civil aviation infrastructure.

At this juncture, I wish to seize this opportunity to extend my congratulations to the AAI fraternity for recording its highest ever capital expenditure of ₹5400 Crore in 2023-2024 and highest ever profit before tax to the tune of ₹6214 Crore. Further, AAI has outlined a capital expenditure plan of ₹25,000 crore for the period from FY2024-25 to FY2028-29, bolstering India's aviation infrastructure in anticipation of future demand.

Moreover, in its unwavering quest for safer and more efficient air travel, AAI is dedicated to upgrading the Air Traffic Management System through considerable investments and nine projects for ATS Tower and Technical buildings have been initiated throughout the country. Presently, DigiYatra is operational at 15 AAI airports and is expected to be implemented at 12 more airports very soon, indicating a significant shift towards digital innovation in air travel. Furthermore, the initiatives undertaken by AAI to facilitate the establishment of FTOs and MROs within the nation also warrant commendable recognition.

As you know, AAI has taken a great leap forward to pen a new chapter in India's sustainability story through SUGAM Initiative. Today, 75 airports across the country run exclusively on 100% green energy, underscoring the commitment to an eco-friendly future.

AAI has been a pioneer in advocating for inclusivity. The recently introduced 'UDAN Yatri Cafe' at the airports in Kolkata and Chennai provides passengers with affordable food options and is expected to be rolled out in more airports, shortly. AAI is committed to fostering employment opportunities and empowering young individuals to play a significant role in nation building. To this end, the organization has successfully recruited more than 1,100 skilled professionals from diverse fields to ensure its preparedness for the future.

Our path is characterized by an unwavering commitment to excellence, with every milestone reached serving as a foundation for a more promising future. Let us embody the change we wish to witness in the world by becoming the cornerstone of civil aviation in our country. I extend my heartfelt gratitude and congratulations to all AAI employees and their families for your steadfast trust and support as we celebrate the 30th Annual Day of AAI.

Jai Hind!

Vipin Kumar
Chairman, AAI

राजा भोज हवाईअड्डा, भोपाल
Raja Bhoj Airport, Bhopal

राजा भोज एयरपोर्ट भोपाल
पर आप सभी का स्वागत है
दिनांक 01/04/2025
भा.वि.प्रा. का 30 वां
स्थापना दिवस समारोह
30 th AAI
Day Celebration
भोपाल एयर
किया
है
FIRE EXIT

AAI